एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

~~पहला सत्र~~ सेमेस्टर एक

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

MHN ~~101~~ CC–1   ~~पहला प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट : ~~4~~ 5

तीन आलोचनात्मक – 3×10=30
चार लघूत्तरी – 4×5=20
वस्तुनिष्ठ – 10×2=20
70

भाषा व लिपि: उद्भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्त्व/अंग, अभिलक्षण

भाषा विज्ञान: परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, अध्ययन की दिशाएँ

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा-परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा ~~का~~ उद्भव ~~की समस्या~~: अपभ्रंश, अवहट्ठ, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास: अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपों का विकास : दकनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रभाषा ~~और~~ हिन्दी ~~की आत्मा~~

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथः–

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Reviewed and modified

14/6/18 प्रो. चंद्रशेखर (म.प्र.) मो. 9470470718

14/6/18 प्रो. तरुण कुमार मो. 9693763180

studyraw.com

2. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

3. बाबूराम सक्सेना– सामान्य भाषा विज्ञान हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी– हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. सत्य नारायण तिवारी– हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास

6. अनंत चौधरी (सं0)– नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

7. रामविलास शर्मा– भारत की समस्या, राजकमल प्रकाशन

" " – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन

8. भोलानाथ तिवारी– हिन्दी भाषा

9. देवेन्द्रनाथ शर्मा– राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान

10. चंद्रधर शर्मा – पुरानी हिन्दी, काशी ना0 प्र0 सभा, 1948

11. रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी ना0 प्र0 सभा, सं0 2035

12. किशोरीदास बाजपेयी– हिन्दी शब्दानुसान, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2033

13. नामवर सिंह – हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932

14. सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली–1947

15. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954

16. डॉ0 शीतिकंठ मिश्रा– खड़ी बोली आन्दोलन, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2013

17. अध्योध्याप्रसाद खत्री स्मारक – (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्), पटना 1960

18. राहुल सांकृत्यायन– मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)

क. 'राहुल निबंधावली' में दिल्ली, पी.पी.एच. 1983– हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण निबंध

ख. 'क्या करें' में, प्रयाग, 1939 – ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबन्ध)

19. डॉ0 धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा, दिल्ली, समता प्रकाशन, 1987

20. अमृत राय– ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1991

21. क्रिस्टोफर आर.किंग– वन लैग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइण्टींथ संेचुरी नार्थ इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994

22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना

14/6/18

14/6/18

StudyRaw.com

22. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइनटीण्थ सेंचुरी बनारस ओ. यू. पी. दिल्ली, 1997

23. डॉ0 इकबाल अहमद– दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1966

24. राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1959

25. पॉल आर. ब्रास– लैग्वेज, रिलीजियन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974

26. वीर भारत तलवार– रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

27. मीर अम्मन– बागो–बहार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966

28. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998

29. डॉ0 श्रीराम शर्मा: दक्खिनी हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10/5/2018 10.5.18 10/5/2018

StudyRay.Com

HN ~~102~~ दूसरा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : ~~4~~

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास ~~क्या है,~~ इतिहास–दृष्टि

इतिहास–दृष्टि और साहित्येतिहास ~~लेखन पद्धति~~

~~इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास~~

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ ~~और विभिन्न इतिहास दृष्टियाँ~~

काल–विभाजन का आधार

साहित्यिक प्रवृतियों का अंतस्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

~~उत्तर आधुनिकतावाद, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य~~

अनुमोदित ग्रंथः–

1. ई. एच.कार. – इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल– फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा– इतिहासदर्शन
5. आर.कलिंगवुड– द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर.कलिंगवुड– हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे0 वर्कहार्ड– जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम ~~परमार~~ (सं0) – हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

StudyRaw.Com

9. एच.बटरफील्ड– द हिंवग इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री

10. बट्रेंड रसेल– पोरट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री

11. ऐक्टन– हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज

12. एम0सी0डी0 आर्सी– दि सेंस ऑफ हिस्ट्री; सेकुलर एंड सैक्रेड

13. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास

14. डॉ0 नगेन्द्र (सं.)– हिन्दी साहित्य का इतिहास

15. ह0 प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका

" " – हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास

16. सुधीश पचौरी– उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद

17. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र

18. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

♣♣♣♣♣

StudyRaw.Com

HN 103 तीसरा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण
- सगुण और निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख सगुण निर्गुण कवि और उसकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत
- सगुण और निर्गुण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिंदी साहित्य का अतीत (भाग– एक), वाणी विज्ञान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. डॉ0 नगेन्द्र (सं0), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास–दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

StudyRaw.com

11. अवधेश प्रधान— हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन— उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की—ए—उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।

13. वशिष्ठ अनूप— हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास

14. डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ0 विजयपाल सिंह— साहित्यिक निबंध

15. डॉ0 शंभुनाथ शुक्ल— आदिकालीन हिन्दी साहित्य

16. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह— कबीर—वाङ्मय : रमैनी

17. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह— कबीर—वाङ्मय : सबद

18. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह— कबीर—वाङ्मय : साखी

19. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय— गोरखनाथः नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में

20. डॉ0 वासुदेव सिंह— हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन

21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी — मध्ययुगीन काव्य साधना

22. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय— बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

23. डॉ0 शिवनारायण सिंह— रीतिकालिन वीर—काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन

24. शिव कुमार मिश्र— भक्तिकाव्य और लोकजीवन

25. के. दामोदरन— भारतीय चिंतन परंपरा

26. प्रेमशंकर— भक्तिकाव्य की भूमिका

27. विश्वनाथ त्रिपाठी— हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

HN 101

चौथा प्रश्न पत्र

क्रेडिट :

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदबरदाई– पृथ्वीराज रासो, सं0 ह0 प्र0 द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अब्दुर्रहमान– संदेश रासक, सं0 ह0प्र0 द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

~~जायसी– पद्मावत, सं0 वासुदेवशरण अग्रवाल (नागमती सुआ खंड, नागमती विभाग खंड, पद्मावती–नागमती सती खंड)~~

विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं0 वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अनुमोदित पुस्तक–सूची

1. पृथ्वीराज रासो, सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं0 माता प्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलहाबाद
6. कीर्त्तिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी
7. जायसी ग्रंथावली, भूमिका, सं0 रामचन्द्र शुकल
8. जायसी, विजयेदव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
10. पद्मावत, सं0 माताप्रसाद गुप्त
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर बड़थ्वाल
12. Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhary Varanasi, 1976
13. मध्युगीन प्रेमाख्यानक काव्य, नित्यानंद तिवारी
14. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालया, वाराणसी
15. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी

♣♣♣♣♣

सेमेस्टर-दो

MHN 201 CC-5

पंचम ~~पाँचवा प्रश्न~~ पत्र

3×10 = 30 (दीर्घउत्तरीय)
4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
10×2 = 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

क्रेडिट : 05

द्वितीय सत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से ~~अद्यावधि~~ अब तक)

- सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, ~~सांस्कृतिक पुनर्जागरण व नवजागरण का संबंध~~, भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्वपूर्ण लेखक

- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति, 19वीं सदी में हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

  हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं के उदय एवं विकास: ~~का आकलन~~ आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृतांत, संस्मरण आदि।

- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव– हिन्दी में स्वच्छंतावादी प्रवृति का उदय, विकास और छायावाद

- प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में वैचारिक द्वंद्व– ~~व्यक्ति और स्वातंत्र्य~~, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, समाजवाद आदि

- आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास

- उत्तरछायावाद, नवगीत, ~~समकालीन कविता~~

- समकालीन हिन्दी साहित्य– ~~समकालीन हिन्दी साहित्य~~ कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृत्तियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री–लेखन, दलित-लेखन

- हिन्दी में प्रवासी साहित्य ~~का इतिहास~~

- आधुनिक हिन्दी साहित्य ~~का~~ के विकास में संस्थाओं की भूमिका (चार चयनित संस्थाएँ)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. ह0प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
3. वि0 प्र0 मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबा, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.इ. आर.टी. दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवदेना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह– कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
11. देवीशंकर अवस्थीः विवके के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
12. ओमप्रकाश वाल्मीकिः दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार इलाहाबाद, 1958
15. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्यौराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं0– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य : नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और स्मणिका फाउण्डेशन, दिल्ली, 2001
17. **S.C. Mallik (Ed.) - Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978**
18. **Savitri Chandra- Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983.**
19. विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे– आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2009

21. दीपक कुमार, देवेन्द्र चौबे सं.– हाशिये का वृत्तांत : स्त्री दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास, आधार प्रकाशन, पंचकुला, 2011

22. सुमन राजे– हिन्दी साहित्य का ~~अधूरा~~ आधा इतिहास

23. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

24. नामवर सिंह– इतिहास और आलोचना

" " – छायावाद

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

25. रामचन्द्र तिवारी– हिन्दी का गद्य साहित्य

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम

26. रामस्वरूप चतुर्वेदी– गद्य साहित्य : विकास और विन्यास

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

StudyRaW.Com

MHN 202 CC-6   ~~छठा प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट :05

मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)

कबीर– ह0 प्र0 द्विवेदी कृत 'कबीर', राजकमल, नई दिल्ली (छंद क्रम सं0 207 से अंत तक)

सूरदास– भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शक्ल

(पद सं0– ~~1, 7, 8, 13, 16, 17, 19, 21, 30, 33, 35, 40, 42, 57~~, 64, 76, 85, 89, 95, 97, 121, 138, 140, 210, 211, 316, 366, 384, 400 ~~कुल 30 पद~~)

तुलसीदास – रामचरित मानस (बालकांड– आरंभ से 37 वें दोहे तक)

(~~अयोध्या कांड– 185वें दोहे से अंत तक~~)

मीरा– मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(16 पद: मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, अली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हाँ गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा री गिरिधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाऊँ, माई री म्हां, लियां गोविदा मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, ~~थें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ों रंगरूड़ों, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघरया णाच्यारी, राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हों~~)

रैदास– संत काव्य संग्रह सं0 परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण किताब महल, इलाहाबाद ~~(रैदास संपूर्ण)~~

बिहारी– बिहारी रत्नाकर सं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(दोहा सं0 1, 2, 13, 20, 25, 32, 34, 35, 38, 41, 46, 51, 55, 61, 70, 73, 88, 94, 101, 141, ~~161, 190, 191, 192, 201, 228, 251, 300, 316, 322, 331, 357, 363, 386, 390, 420, 437, 486, 496, 652, 677,~~ 689 ~~कुल 42 पद~~)

घनानंद– स्वर्ण मंजूषा, से, नलिन विलोचन शर्मा एवं केसरी कुमार

(छंद सं0 1, 2, 8, 9, 14, 15, 16, 18, 21 एवं 22)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. ह0 प्र0 द्विवेदी– कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रघुवंश– कबीर एक नई दृष्टि, इलाहाबाद नई दिल्ली
3. पुरूषोत्तम अग्रवाल– अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल नई दिल्ली
4. डॉ0 धर्मवीर – कबीर के आलोचक

5. रामचन्द्र शुक्ल– सूरदास

6. रामचन्द्र शुक्ल– गोस्वामी तुलसीदास

7. विश्वनाथ त्रिपाठी– लोकवादी तुलसीदास

8. ह0प्र0 द्विवेदी– सूर साहित्य

9. हरवंश लाल शर्मा– सूर और उनका साहित्य

10. नंद दुलारे वाजपेयी– महाकवि सूरदास, अलीगढ़

11. मैनेजर पांडेय– भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली

12. प्रेमशंकर– रामकाव्य और तुलसी

13. विश्वनाथ त्रिपाठी– मीरा का काव्य

14. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– बिहारी, वाराणसी

15. बच्चन सिंह– बिहारी का नया मूल्यांकन

16. मनोहर लाल गौड़– घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा

17. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– घनानंद कविता, वाराणसी

18. ज्योतिसर शर्मा– शृंगारी रीतिमुक्त काव्य में प्रतियोक्ति

19. इमरै बंधा– घनानंद

♣♣♣♣♣

10.5.18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

MHN 203 CC-7

~~सातवाँ प्रश्न पत्र~~

क्रेडिट : 05

तीन प्रश्नोत्तर – 3×10=30
चार लघूत्तरी – 4×5=20
दस वस्तुनिष्ठ 10×2=20
70

<u>संस्कृत साहित्य का इतिहास</u>

~~आर्ष महाकाव्यों का परिचय~~

~~आर्ष महाकाव्यों का पूर्वापर क्रम~~

संस्कृत महाकाव्य

संस्कृत गीतिकाव्य

संस्कृत नाटक

संस्कृत गद्यकाव्य

पाठ्य–पुस्तक– मेघदूत (पूर्वमेघ) 10 छन्द

अनुमोदित ग्रंथः–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास– राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत कवितयों का रचना–संसार– जयशंकर त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी
5. संस्कृत नाटककार– कान्ति किशोर भरतिया, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. मेघदूतः एक पुरानी कहानी– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. संस्कृत नाटक के प्रकार (अनु.) डॉ० वंशीधर लाल, ..., पटना

*****

10.5.18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

StudyRaw.com

HN 204

आठवां प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 4

अस्मितामूलक विमर्श

अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता-निर्माण की प्रक्रिया और प्रकृति

स्मृति, इतिहास और अस्मिता

अस्मिता और सत्ता

धर्म और अस्मिता

अस्मिता और राष्ट्र

भूमंडलीकरण और अस्मिता

व्यक्ति–अस्मिता और सामूहिक अस्मिता

हाशिए की अस्मिताएँ

अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

जेंडर की अवधारणा और स्त्रीत्ववादी चिंतकों की अवधारणाएँ

जेंडर अस्मिता, यौन-अस्मिता और सत्ता

जेंडर, भाषा और साहित्य

अंबेडकर और परवर्ती दलित विचारक

दलित आंदोलन और दलित साहित्य

दलित साहित्य और भाषा

पाठ– दलित कविताएँ– हीराडोम, बिहारी लाल हरित, निर्माला पुतुल, डॉ0 दयानंद बटोही और बलदेव प्रसाद श्रीवास्तव

दलित कहानियाँ– चतुरी चमार (निराला), कहीं धूप कहीं छाया (बेनीपुरी), विरामचिन्ह (प्रसाद), सौभाग्य के कोड़े (प्रेमचंद), कर्ज (मोहनदास नैमिशराय), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि) लाठी (जयप्रकाश कर्दम)

दलित उपन्यास– वीरांगना झलकारी बाई (मोहदास नैमिशराय), उधर के लोग (अजय नावरिया)

दलित आत्मकथाएँ– जूठन (ओम प्रकाश वाल्मीकि), मुर्दहिया (डॉ0 तुलसी राम)

स्त्री आत्मकथाएँ– अन्या से अनन्या (प्रभाखेतान), कस्तूरी कुंडली बसै (मैत्रेयी पुष्पा)

StudyRaw.Com

अनुमोदित ग्रंथः—

1. M.Melleci - New social movements : A Theoritical Approach
2. T.S. Kuhn (Ed.)- The Kristieva Reader
3. Beverly Skeggs- Feminist Cultural theory process and production
4. Sylvia Walby- The Originating Patriarchy
5. Tony Rosemery- Feminist Thought : A Comprehensive introduction
6. Mary Wollstone craft- A vindication of the Rights of Women.
7. J.S. Mill- The Subjection of Women.
8. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर— अम्बेडकर समग्र, भारत सरकार का प्रकाशन
9. ज्योतिबा फुले— ज्योतिबा फुले समग्र
10. अभय कु0 दुबे (सं0)— आधुनिकता के आईने में दलित
11. सिमोन द बोउवा— स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान)
12. महादेवी वर्मा— शृंखला की कड़ियाँ
13. डॉ0 शरण कु0 लिंबाले— दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. ओम प्रकाश वाल्मीकि— दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
15. कंवल भारती— दलित विमर्श की भूमिका
16. साधना आर्य (सं0)— नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे व जिनी लोकनीता
17. सदानंद शाही (सं0)— दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
18. प्रभा खेतान— उपनिवेश में स्त्री

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

StudyRaw.Com

HN 301

चौदा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 04

तीसरा सत्र

उपन्यास

भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– सुधारवादी आख्यान, अद्‌भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास–दास्तान और किस्सा, यथार्थवाद का आरंभ

बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान

स्वाधीनता संग्राम की भूमिका और हिन्दी उपन्यास (विशेषकर प्रेमचंद)

भारतीय उपन्यास चिंतन, हिंदी उपन्यास चिंतन

उपन्यास और राष्ट्र

उपन्यास और मध्यवर्ग

व्यक्ति और उपन्यास

अंचल, गांव, शहर और उपन्यास

देश का विभाजन और उपन्यास

अस्मितागत उपन्यास

पाठ– प्रेमचंद (गोदान), जैनेन्द्र (त्यागपत्र), ह0 प्र0 द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), फणीश्वरनाथ रेणु (मैला आँचल), नागार्जुन (वरूण के बेटे), अज्ञेय (नदी के द्वीप), भीष्म सहनी (तमस), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नम्), अनामिका (बशहरे का पिंजरा)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. विश्नाथ काशीनाथ राजवाडे– 'उपन्यास', आलोचना 89, (जनवरी– मार्च 1988)
2. जॉर्ज लुकाच– उपन्यास का सिद्धांत
3. रॉल्फ फॉक्स– उपन्यास और लोक जीवन
4. गोपाल राय– हिन्दी उपन्यास का इतिहास
5. इन्द्रनाथ मदान– आज का हिन्दी उपन्यास

StudyRaw.Com

इन्द्रनाथ मदान– हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख

6. राजेन्द्र यादव– उपन्यास : स्वरूप और संवेदना
7. रामदरश मिश्र– हिन्दी उपन्यास : एक अंर्तयात्रा
8. परमानंद श्रीवास्तव– उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
9. मीनाक्षी मुखर्जी– रियलिज्म एंड रियल्टी : नॉवेल एंड सोसायटी इन इंडिया
10. शिव कुमार मिश्र– यथार्थवाद
11. रामविलास शर्मा– प्रेमचंद और उनका युग
12. नित्यानंद तिवारी– हिन्दी उपन्यास (1950 के बाद)
13. सीताराम झा 'श्याम' – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी उपन्यास
14. नेमिचन्द जैन– अधूरे साक्षात्कार
15. ज्ञानचंद जैन– प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास
16. टी.डब्लू. क्लार्क (सं.) – द नॉवेल इन इंडिया, लंदन 1970
17. राजेन्द्र प्रसार मिश्र– आंचलिकता की कला और कथा साहित्य
18. नन्द दुलारे वाजपेयी– प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन
19. चंद्रकांत वांदिवडेकर– जैनेन्द्र के उन्यासः मर्म की तलाश
20. अशोक वाजपेयी – जैनेन्द्र की आवाज
21. सुवास कुमार– आंचलिकता, यथार्थवाद और रेणु
22. शशिभूषण सिंधल – हिंदी उपन्यास और प्रवृतियाँ
23. कमलेश अवस्थी– परंपरा और आधुनिकीकरण
24. गोपाल राय– अज्ञेय और उनके उपन्यास
25. सत्यप्रकाश मिश्र (सं0) – गोदान का महत्व
26. मधुरेश – हिन्दी उपन्यास का विकास
27. विजय मोहन सिंह– कथा समय
28. नन्द किशोर नवल (सं0)– कसौटी (पत्रिका) का समापन अंक बीसवीं सदी : कालजयी कृतियां
29. लुसिए गोल्डमान– टुआर्डस द सोशियोलोजी ऑफ नॉवेल

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

StudyRaw.Com

सेमेस्टर-तीन

HN 302 CC-10

दशम ~~दसवाँ प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट : 05

तीन दीर्घ प्रश्नोत्तर – 3×10=30
चार लघुत्तरीय व्याख्याएँ – 4×05=20
~~दस लघुत्तरी~~ वस्तुनिष्ठ – 10×2=20
70

आधुनिक हिन्दी काव्य

खड़ी बोली की कविता में आख्यानपरकता

आधुनिकता और आख्यान काव्य

व्यक्ति और प्रबंध काव्य

राजनीति और काव्य

1. साकेत– मैथिलीशरण गुप्त– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (व्याख्या हेतु केवल नवम सर्ग)
2. कामायनी– जयशंकर प्रसाद (व्याख्या हेतु केवल श्रद्धा सर्ग)
3. राग विराग– निराला, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, तोड़ती पत्थर, सम्राट अष्टम एडवर्ड के प्रति)
4. तारापथ– पंत लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (आरंभिक पाँच कविताएँ)
5. सन्धिनी– महादेवी (अंत के दस गीत)
6. उर्वशी– दिनकर (व्याख्या हेतु केवल तृतीय सर्ग)
7. बच्चन– लहरों का निमंत्रण, निर्माण, तुम गा दो, सोन भद्दरी लौटो राजहंसो, युग का जुआ

   प्रतिनिधि कविताएँ– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. नेपाली– परिचय, भाई बहन, कवि, विश्व सुन्दरी, नवीन कल्पना करो, मेरा धन है स्वाधीन कलम

   प्रतिनिधि कविताएँ– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ– सं0 बलदेव मिश्र, शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

   ~~अकालदर्शन, शहर का व्याकरण~~, मोची राम और पटकथा।
10. आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री– मैं गाऊँ तेरा मन्त्र समझ, बाँसुरी, बादल राग, ~~शिक्षा~~ शिप्रा, राधा (प्रणय पर्व का प्रारम्भ)

    उत्तम पुरूष– अभिधा प्रकाशन, मुज0

(इनमें से किन्हीं पाँच कवियों का अध्ययन-अध्यापन अपेक्षित है)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास– डॉ0 नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. कामायनी सौन्दर्य– फतह सिंह, भारती भण्डार, इलाहाबाद
3. दिनकर रचनावली – डॉ. नंद किशोर नवल एवं डॉ. तरुण कुमार - लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

StudyRaw.Com

3. कामायनी परिशीलन– सं0 नन्द किशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना।

4. कामायनी लोचन– डॉ0 उदय भानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

5. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत– प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली।

6. मैथिलीशरण – डॉ0 नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

8. प्रसाद का काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, राधाकृष्ण

9. निराला की साहित्य साधना (दूसरा भाग) – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10. निराला कृति से साक्षात्कार– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

11. निराला : आत्महन्ता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा – रेखा खरे लोकभारती

13. काव्य विमर्श : निराला – डॉ0 रेवती रमण, जवाहर पब्लिशर्स ऐन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

14. आधुनिक हिन्दी कविता– डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी लोकभारती।

15. महीमसी महादेवी– गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती

16. महादेवी– इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

17. जयशंकर प्रसाद– रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी

18. निराला– परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी

19. सुमित्रानन्दन पंत– कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी

21. मैथिलीशरण गुप्त– रेवती रमण, साहित्य अकादेमी

22. दिनकर– विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादेमी

23. दिनकर– सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण

24. उर्वशी: उपलब्धि और सीमा, विजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद

25. उर्वशी: विचार और विश्लेषण– सं0 डॉ0 वचनदेव कुमार नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

26. दिनकर– अर्धनारीश्वर कवि– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

27. दिनकर की साहित्य साधना– सं0 सतीश कुमार राय, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

28. कवि अज्ञेय– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

29. निराला की विचारधारा और विवेकानंद, डॉ० तरुण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

studyRaw.com

29. अज्ञेय– सं0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

30. नेपाली : चिन्तन–अनुचिन्तनः सं0 सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

31. त्रयी– आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

32. हरिवंश राय बच्चन– टण्डन, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

33. गोपाल सिंह नेपाली– सतीश कुमार राय, किताब पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर

♣♣♣♣♣

10.5.18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

StudyRaw.com

MHN ~~303~~ CC-11

ग्यारहवाँ प्रश्न पत्र

3×10=30
4×5=20
10×2=20
70

क्रेडिट :05

पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार

1. पत्रकारिता– परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
2. समकालीन हिन्दी मीडिया– प्रिन्ट मीडिया प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ

   इलेक्ट्रानिक मीडिया– रेडियों, टेलिविजन, फिल्म, इन्टरनेट
3. जनसंचार– स्वरूप एवं भेद
4. मीडिया लेखन– समाचार, फीचर, साक्षात्कार, रिपोर्ताज
5. प्रमुख पत्रकार– भारतेन्दु, मदन मोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विधार्थी, प्रेमचन्द, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी, माखनलाल चतुर्वेदी, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, राजेन्द्र माथुर, बाबूराज विष्णु पराड़कर, प्रभाष जोशी
6. मीडिया के विभाग– सम्पादक विभाग, संवादन विभाग, प्रबन्धन विभाग
7. पारिभाषिक शब्दावली– ऐड, वीर, ब्लोअप, ब्यूरो, कैप्सन, कवर स्टोरी, इन्ट्रो, रिलीज, इनसाइड स्टोरी, फोलोअप, लीड।

अनुमोदिक ग्रंथः–

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. टेलीविजन की कहानी– श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. सिर्फ पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी पत्रकारिता के प्रतिमान– डॉ0 सतीश कुमार राय, लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद
6. संचार के मूल सिद्धांत– प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. जनसंचार– सं0 राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
8. रेडियो प्रसारण– कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
9. संचारभाषा हिन्दी– सूर्यकुमार दीक्षित, लोकभारतीय प्रकाशन, दिल्ली।
10. पत्रकारिता हेतु लेखन– डॉ0 निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली
11. मीडिया लेखनः सिद्धान्त और प्रयोग– मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. बंशीधर लाल, विद्यार्थी ग्रंथ कुटीर, पटना

StudyRaw.com

12A. पत्रकारिता के विविध संदर्भ. डॉ० बंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना

12. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया— डॉ0 देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

13. वेब पत्रकारिता: नया मीडिया नये रूझान— शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, सं0 आर0 अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

15. मीडिया की खबर— अरविन्द मोहन, शिल्पायन, दिल्ली।

16. योद्धा पत्रकार— हेमंत, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

17. समकालीन हिन्दी मीडिया— सं0 विजय दत्त श्रीधर, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

18. पत्रकार प्रेमचन्द— डॉ0 सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

19. सामयिक मीडिया शब्दकोश— हर्षदेव, सामयिक प्रकाशन दिल्ली।

20. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता. डॉ० बंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, कानपुर

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10/5/18 10/5/2018 10/5/2018

हिन्दी पत्रकारिता और आधुनिक माध्यम. डॉ० जितेन्द्र कुमार सिंह, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

StudyRavi.com

HN 304

~~बारहवाँ प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट : 05

~~तीसरा सत्र~~

उर्दू साहित्य

1. उर्दू भाषा : उद्‌भव और विकास
2. उर्दू काव्य रूपों का परिचय– मसनवी, गजल, नज्म, रूबाई, कसीदा, मर्सिया
3. ~~उर्दू काव्य – विशेषतः गजल, नज्म, कसीदा और मसनवी का विकास~~
4. उर्दू कहानी
5. उर्दू नाटक
6. उर्दू ~~आलोचक~~ आलोचना
7. उर्दू पत्रकारिता

अनुमोदित ग्रंथः–

1. उर्दू भाषा और साहित्य– रघुपति सहाय 'फिराक गोरखपुरी, हिन्दी–समिति, लखनऊ
2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. उर्दू शायरी : आजादी के बाद– जाफर रजा, लोक भारती
4. उर्दू कविता का विकास– कृष्णचन्द्र लाल, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
5. उर्दू साहित्य कोश– कमल नसीम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अथवा

बांग्ला साहित्य

1. बांग्ला भाषा : उद्‌भव और विकास
2. प्रारम्भिक बांग्ला काव्य
3. मध्यकालीन बांग्ला काव्य (विशेषतः चैतन्य, चण्डीदास, कृतिवास ओझा)
4. आधुनिक बांग्ला काव्य– विशेषतः बिहारी लाल चक्रवर्ती, माइकेल मधुसूदन दत्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, काजी, नजरूल इस्लाम, जीवनानन्द दास, विष्णु दे, बुद्धदेव वसु सुनील गंगोपाध्याय और शंकर घोष
5. आधुनिक बांगला कहानी– विशेषतः रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र विभूतिभूषण बन्धोपाध्याय, ताराशंकर बन्धोपध्याय, आशापूर्णा देवी

StudyRaw.Com

6. बांग्ला उपन्यास– विशेषतः– बंकिमचन्द्र चटर्जी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, ताराशंकर बन्धोपध्याय, विमल मित्र, गजेन्द्र कुमार मित्र, महाश्वेता देवी, मणिक बन्धोपाध्याय

7. बांग्ला नाटक और रंगमंच का विकास

अनुमोदित ग्रंथः–

1. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ0 सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
2. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ0 सत्येन्द्र, हिन्दी–समिति, लखनऊ
3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर– शिशिर कुमार घोष, हिन्दी अनुवाद– अनामिका, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
4. माणिक बन्धोपाध्याय– सरोज मोहन मित्र, अनु.– विनोद भारद्वाज साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
5. माइकेल मधुसूदन दत्त– अमलेन्दु बोल, अनु0 रामकृष्ण पाण्डेय, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
6. बंकिमचन्द्र चटर्जी– सुबोध चन्द्र सेन गुप्त, अनु0 श्रवण कुमार साहित्य अकादेमी, दिल्ली
7. काजी नजरूल इस्लाम– गोपाल हल्दार, अनु0 विनोद भारद्वाज साहित्य अमादेमी, दिल्ली

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

StudyRaw.com

HN 431

तेरहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

चौथा सत्र

समकालीन हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल– जनता, जो शिलाएँ तोड़ते हैं, पूंजीपति और श्रमजीवी, धरती यदि आयेगा डालर, नागार्जुन के बाद आने पर

2. नागार्जुन– प्रतिबद्ध हूँ, बादल को घिरते देखा है, सिन्दूर तिलकित भाल, हरिजन गाथा, प्रेत का बयान, कालिदास

3. त्रिलोचन– फेरीवाला, उस जनपद का कवि हूँ, मैं, तुम गीतमयी हो तुम, चम्पा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, धूप सुन्दर, नगई महरा

4. मुक्तिबोध– पूँजीपति समाज के प्रति, अन्धेरे में, ब्रह्म राक्षस

5. अज्ञेय– असाध्यवीणा, नदी के द्वीप, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, सरस्वती पुत्र, अन्तः सलिला

6. शमशेर बहादुर सिंह– प्रेम, चुका भी हूँ नहीं, बात बोलेगी, अमन का राग, एक पीली शाम, सारनाथ की एक शाम

7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – काठ की घंटियाँ, अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ, भेड़िया–2, तुम्हारे लिए, कुआनो नदी, लूशुन और चिड़ियाँ

8. विजयदेव नारायाण साही– कौन पुकराता है, लय, कभी नहीं, सुर्ख माला, संलाप में

9. रघुवीर सहाय– पढ़िए गीता, रामदास, आत्महत्या के विरूद्ध, लोग भूल गये हैं, चेहरा, स्वच्छन्द लेखक

10. कुवर नारायण – आत्मजयी भारतीय ज्ञानपीठ

11. केदारनाथ सिंह– बनारस, टूटा हुआ ट्रक, बैल, बाघ

12. धूमिल– मोचीराम, पटकथा संसद से सड़क तक

13. वि० प्र० तिवारी– बेड़ियों के विरूद्ध, आरा मशीन, बेहतर दुनिया के लिए, कनॉट प्लेस, पुस्तकें, जगह

14. अरूण कमल– धार, नये इलाके में उल्लंघन, उर्वर प्रदेश पुतली में संसार, सौन्दर्य

15. मदन कश्यप– रफूगरी, तिलचट्टे, सपने का अंत इच्छाएँ, नदी संवाद, नीम रोशनी में

StudyRaw.com

अनुमोदित ग्रंथः–

1. केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अरूण कमल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. वि0 प्र0 तिवारी : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. त्रिलोचन : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
10. रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिलली
11. मदन कश्यप : कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
12. विजयदेव नारायण साही, साखी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. कविता का वर्तमान– खगेन्द्र ठाकुर, परिमल, प्रकाशन, इलाहाबाद
15. समकालीन काव्य–यात्रा– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिन्दी के प्रगतिशील और समकालीन कवि– डॉ0 रणजीत साहित्य रत्नालय, कानपुर।
18. कविता के नये प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. कविता की जमीन और जमीन की कविता– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद– राम विलास शर्मा, राजकमल।
21. आधुनिक कवि– विश्वम्भर मानव, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन।
22. आधुनिकी कविता यात्रा– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
23. कविता के तीन दरवाजे– अशोक वाजपेयी, राजकमल
24. कविता का उतर जीवन : परमानन्तर श्रीवास्तव, राजकमल

StudyRaw.Com

25. हिन्दी कविताा अभी बिल्कुल अभी, नन्दकिशोर नवल, राजकमल

26. समकालीन हिन्दी कविता– ए. अहविन्दाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

27. अन्तस्तल का पूरा विप्लवः अंधेरे में, सं0 निर्मल जैन राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

28. नागार्जुन अंतरंग और सृजनकर्म– सं0 मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

29. कवि परम्परा की पड़ताल– हेमन्त कुकरेती, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

30. महाकाव्य से मुक्ति– डॉ0 रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद।

31. त्रिलोचन– रेवतीरमण, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

32. शमशेर बहादुर सिंह– प्रभाकर श्रोत्रिय, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

33. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– कृष्णदत्त पालीवाल, अकादेमी, दिल्ली।

34. कुँवर नारायणः उपस्थिति– सं0 यतीन्द्र मिश्र, वाणी, प्रकाशन, दिल्ली

♣♣♣♣♣

StudyRaw.com

M HN 402 CC-14

चौदहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट :04

3×10 = 30
4×5 = 20
10×2 = 20
70

काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय

प्रमुख आचार्य और काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय

काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, काव्य रीति, कवि-समय

रस सिद्धांत– रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

ध्वनि सिद्धांत– ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्व

प्लेटो– काव्य दर्शन

अरस्तू– अनुकरण– सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी

लौंजाइनस– उदात्त की अवधारणा

विलियम वर्ड्सवर्थ– काव्य सिद्धांत

मैथ्यू आर्नल्ड– आलोचना– दृष्टि

क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

एलियट– परंपरा की अवधारणा, निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत

आई.ए.रिचर्ड्स– मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

एफ.आर.लीविस– साहित्य में नैतिक बोध के लिए संघर्ष, ईमानदारी और वस्तुमता

आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता और विखंडनवाद

नारीवादी आलोचना

अनुमोदित ग्रंथः–

1. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया– पाश्चात्य साहित्य चिंतन
2. गणेश त्र्यंबक देशपांडे– भारतीय साहित्यशास्त्र
3. बलदेव उपाध्याय– संस्कृत आलोचना
4. पी.बी. काणे– हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली
5. शंकरदेव अवतरे– रस प्रक्रिया

StudyRaw.Com

6. डॉ0 नगेन्द्र– काव्यशास्त्र की भूमिका

7. राममूर्त्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज

8. भागीरथ मिश्र– काव्यशास्त्र

9. भोलाशंकर व्यास– ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत

10. राममूर्त्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्य विमर्श

11. आचार्य चण्डिका प्र0 शुक्ल– ध्वन्यालोक

12. डॉ0 नगेन्द्र– पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली

13. सीमोन द बोउवार– स्त्री : उपेक्षिता, अनु0 प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स

14. जर्मेन ग्रीयर– विद्रोही स्त्री, अनु. मधु बी. जोशी राजकमल प्रकाशन

15. **Rene Wellek - History of Modern Criticism 1750-1950.**

16. **Jonathan Guller- Structuralist Poetics : Structuralism, lingutstics and the studyof literature.**

    - The Pursuit of Signs: Semiotics literation Decoustruction, Routledge ad Kegan

17. **Terry Eagleton- Criticism and society in literary History**

    - The ideology of Aesthetics, Oxford University Press, London.

18. **Edward Said- The word, the text and critic Harvard Uni. press.**

19. **Tosil Moi - Sexual texual politics: Feminist Literary theory.**

20. रामचन्द्र शुक्ल – रस मीमांसा

    – चिंतामणि भाग–1 और 2

21. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र साहित्य अकादमी, दिल्ली

22. **Mery Beth Rose- Gender and Heroism in Early Modern literature, University of Chicago Press.**

23. देवेन्द्रनाथ शर्मा — पाश्चात्य काव्यशास्त्र

♣♣♣♣♣

10.5.18 10.5.18 10/5/2018

24. लक्ष्मीनारायण सुधांशु — काव्य में अभिव्यंजनावाद

10/5/2018

StudyRaw.com

सेमेस्टर – चार

MHN 403 EC-1 (क)

पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र

3×15 = 45
3×5 = 15
10×1 = 10
70

क्रेडिट : 05

साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन

समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परंपराएँ : पाश्चात्य और भारतीय

प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री : इपालित अडोल्फ तेन, लियो लोवेठंल, लूसिए गोल्डमान और रेमंड विलियस

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ– साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति, साहित्य और पाठक–समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनसंचार के माध्यम

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ– विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद और मार्क्सवाद

साहित्य का संस्कृतिमूलक अध्ययन : भारतीय अवधारणाएँ, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न दृष्टियाँ– प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ– संरचनावाद (सस्यूर, लेवीस्ट्रास, रोला बार्थ, अंबर्टाइको), उत्तरसंरचनावाद (देरिया, लांका, फूको)

मार्क्सवाद (अल्थूसर, जॉन फिस्के, हैबरमॉस) स्त्री चिंतन

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप और साहित्य

उपभोक्तावादी संस्कृति के विभिन्न रूप और साहित्य

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. मैनेजर पांडेय– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
2. निर्मला जैन (सं.)– साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
3. पूरनचंद जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
4. **Escarpit Robert - Sociology of literature, London, 1965**
5. **Laurenson, Diana and Swingwood, alanhall- Sociology of literature**
6. **Alam Swingwood - The Novel of Revloution**
7. **Michol Zeraffia - Fictions : The Novel and Social reality**
8. **Raymond Williams - The Long Revolution**

   - Culture and Society

StudyRaw.Com

9. Leo lowemthal - Literature and the image of man.
10. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय
11. Louis Althuer - for Marx
12. Ajar Ahmad- In theory
13. Leela Gandhi - Post Colonialism
14. Homi Bhabha (Ed.) Nation and Narration
15. Meenakshi Gigi Durhan and Douglas Kelliner- Media and Cultural studies Keywords.
16. Pramod K. Nayyer - Literary theory today
17. Cumber to Eco- Towards a semiotic inquiry into T.V messages.

♣♣♣♣♣

StudyRaw.Com

MHN 404 ECI (29) ~~सोलहवाँ प्रश्न पत्र~~

दो प्रश्नोत्तर – 2×15=30
दो व्याख्याएँ 2×10=20
दो लघूत्तरी 2×5=10
दस वस्तुनिष्ठ – 10×1=10
70

क्रेडिट : 405

किसी एक विकल्प का चयन करना होगा

(क) कहानी

कथा, किस्सा और कहानी

लोक कथा और कहानी

शॉर्ट स्टोरी और कहानी

उर्दू कहानी और हिन्दी कहानी

कहानी का विश्व परिदृश्य और हिन्दी कहानी

कहानी और राजनीति

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी

प्रेमचंद और उनके समकालीन

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृतियाँ– आंचलिक कहानी, नई कहानी, समानांतर कहानी, अकहानी

समकालीन कहानी

हिन्दी कहानी और दलित स्वर

हिन्दी कहानी और स्त्री स्वर

गांव, शहर और कहानी

पाठ– बंग महिला (दुलाई वाली), किशोरीलाल गोस्वामी (इंदुमती), चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), प्रेमचंद (कफन), जयशंकर प्रसाद (ग्राम), राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह (कानों में कंगना), जैनेन्द्र (खेल), अज्ञेय (गैंग्रीन) यशपाल (उतमी की माँ), फणीश्वरनाथ रेणु (ठेस), निर्मल वर्मा (परिन्दे) अमरकांत (जिन्दगी और जोंक), मोहन राकेश ( ), भीष्म ~~सहनी~~ साहनी (चीफ की दावत), कृष्णा सोबती (मित्रो मरजानी), ज्ञानरंजन (घंटा), शेखर जोशी (काशी का घटवार), काशीनाथ सिंह (अधूरा आदमी), मन्नू भंडारी ( ), सृंजय (कामरेड का कोट), उदयप्रकाश (तिरिछ)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. जैनेन्द्र कुमार– कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1973
2. नामवर सिंह– कहानी : नई कहानी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव– नई कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली

StudyRaw.Com

4. धनंजय (सं0) – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि

5. देवीशंकर अवस्थी (सं0)– नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल दिल्ली, 1966

6. वियजमोहन सिंह– आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन

7. मधुरेश – नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

   – हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन

8. विश्वनाथ त्रिपाठी– कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, पंचकूला, दिल्ली

9. बलराज पाण्डेय– नई कहानी आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10. देवेश ठाकुर– हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

11. देवीशंकर अवस्थी– विवके के रंग, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

12. नेमिचन्द्र जैन– अधूरे साक्षात्कार

13. नित्यानंद तिवारी– सृजनशीलता का संकट

14. रामदरश मिश्र– हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान

15. राजेन्द्र चौधरी– नई कहानी : प्रकृति और पाठ

16. कमलेश्वर – नई कहानी की भूमिका

17. निर्मल वर्मा– कला का जोखिम

18. मुक्तिबोध– एक साहित्यिक की डायरी

MHNE-4 ~~(ख)~~ (ग) लोक–साहित्य

लोक की नृतत्वशास्त्रीय, एथनोग्राफी, लोक मनोवैज्ञानिक व समाज शास्त्रीय व्याख्या

हिंदी लोक साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि– सर्वेक्षण व संकलन

लोक–साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन

भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

लोक संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ– भाषा, साहित्य, संगीत, जीवन–दर्शन

लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मारक भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिन्दी की ग्रामीण शैलियाँ और उसका भाषिक वैशिष्ट्य

लोकगीत, देवीगीत, जन्म संबंधी, संस्कार गीत, विवाह संबंधी, ऋतुगीत, मृत्यु संबंधी गीत, श्रम गीत

StudyRaw.Com

सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान

सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला–रूप

गांव, शहर, समाज और साहित्य

औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी की बहसें

भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, सुधारवाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद विरोध, पश्चिम के विचार आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद

प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न

उत्तर औपनिवेशिक हिन्दी साहित्य

सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत

बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता

भारतीय साहित्य की अवधारणा

साहित्य और विचारधारा, साहित्य की सृजन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समस्या–

संदर्भ पाठ– भारतेन्दु (प्रबोधन अंधेर नगरी), प्रेमचंद (रंगभूमि, गोदान)। निराला (राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास), ह0 प्र0 द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), रेणु (मैला आँचल) श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मनोहरश्याम जोशी (कसप, कुरू–कुरू स्वाहा, हरिया, हरक्यूलिस की हैरानी) मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नम, अल्मा कबूतरी, चाक), अलका सरावगी (कलिकथा भाया बाइपास)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रमेश कुंतल मेघ– आधुनिकता और आधुनिकीकरण

2. **Authory J.Casscardi - The subject of Modernity**

3. **Authory Giddens- The constitution of Society**

   - The consequences of modernity

4. **M.Castells - The city and gressroots**

5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ

6. रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण

7. डॉ0 नग्रेन्द्र– भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास

8. नित्यानंद तिवारी– आधुनिक साहित्य और इतिहास–बोध

9. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

10. वसुधा डालमिया– नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडिशनः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एंड नाइनटींथ सेंचुरी बनारस

11. **D.P.Mukerji- Modern Indian Culture: A sociological Study, Bombay, 1948.**

12. **Raymond William - Marixm and literature**

13. **Terry Eagleton- Criticism and Ideology**

- Ideology: An Introduction.

MHN ECH(4) ~~(घ)~~ आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

आधुनिक हिन्दी रंगमंच

अन्धेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

स्कन्द गुप्त, लहरों के राजहंस, कोणार्क (राधाकृष्ण)

कबिरा खड़ा बाजार में, भीष्म साहनी

शकुन्तला की अँगूठी –

अन्धा युग– धर्मवीर भारती किताब महल, इलाहाबाद

एकांकी सप्तक– सं० डॉ० चम्पा श्रीवास्तव, प्रो० राजेन्द्र कुमार, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुमोदित ग्रथः–

1. हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास – डॉ० दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना

3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती

4. मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती

5. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश– गोविन्द चातक राधाकृष्णक प्रकाशन, दिल्ली।

6. नाटककार जयशंकर प्रसाद– सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्णा

7. नाटककार भारतेन्दु की रंगपरिकल्पना– सत्येन्द्र कुमार, तनेजा, राधाकृष्णा

8. नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर– गोविन्द चातक, राधाकृष्ण

9. नाटक सिद्धान्त और प्रयुक्ति - डॉ. पूनम कुमारी - निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

StudyRaw.com

9. हिन्दी नाटक के पांच दशक– कुसुम खेमानी

10. हिन्दी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार

11. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र– देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल

12. साठोत्तर हिन्दी नाटक – के.बी. नारायण करूण, लोकभारती।

13. हिन्दी नाटक– बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच– जयदेव तनेजा, तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली।

15. एकांकीकार अग्नेश्वर का यथार्थबोध– सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

16. हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विधि- डॉ० पूनम कुमारी, ज्ञानभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

MHNEC-II (29)

(ङ) प्रयोजन मूलक हिन्दी

3×15=45
3×5=15
10×1=10
70

खण्ड–'क'

कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा इत्यादि।

2. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन।

3. पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप और महत्त्व, निर्माण के सिद्धांत।

खण्ड–'ख'

हिन्दी कम्प्यूटिंग

1. कम्प्यूटर : परिचय, उपयोग, वेव पब्लिशिंग।

2. इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, इन्टरनेट एक्साइलोड (नेट स्क्रेप), लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना और प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल लोडिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड–'ग'

अनुवाद

1. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार, महत्त्व, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण।

2. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद।

खण्ड–'घ'

राजभाषा एवं जनसंचार

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र।
2. जनसंवाद एवं जनसंपर्क।
3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

अनुमोदित ग्रथः–

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी– दंगल झाल्टे

2A प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं प्रयुक्ति / निर्मल ... डॉ० विनोद कुमार सिंह, दिल्ली

3. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता– डॉ० दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी– डॉ० माधव सोन टक्के, लोकभारती, प्रकाशन
6. प्रयोजन मूलक हिन्दी– प्रो० रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
7. प्रयोजन मूलक हिन्दी– पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अनुवादः सिद्धान्त एवं व्यवहार– डॉ० जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. राजभाषा सहायिका– अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

MHN EC-II (a) ~~(ख)~~ कथेतर गद्य

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ– बच्चन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर
3. पथ के साथी– महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. पुण्डरीक– श्यामनन्दन किशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. आत्म की धरती – डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. ऋणजल धनजल– फणीश्वर नाथ रेणु, ~~राजकुल~~ कमल प्रकाशन, दिल्ली
7. निबन्ध– प्रस्तावित निबन्ध– आप, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, अशोक के फूल, मेरे राम का मुकुट भींग रहा है, रस आखेटक, मन्दिर और राजभवन, गेहूँ और गुलाब, मैं हज्जाम हूँ, ताला, सदाचार का ताबीज।

आलोचनात्मक 2 × 15 = 30
व्याख्याएँ 2 × 10 = 20
लघूत्तरी 2 × 5 = 10
वस्तुनिष्ठ 10 × 1 = 10

प्रताप नारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ० विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, दिनकर, बेनीपुरी, आचार्य शिवपूजन सहाय, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, हरिशंकर परसाई

अनुमोदित ग्रंथः–

1. वाङ्मय विमर्श– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. साहित्यिक विधाएँ : रूपतामक विकास– डॉ० बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. आत्मकथा की संस्कृति– पंकज– चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. आत्मकथा और उपन्यास– ज्ञानेन्द्र कुमार, सन्तोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

♣♣♣♣♣

Revised and modified

StudyRaw.com